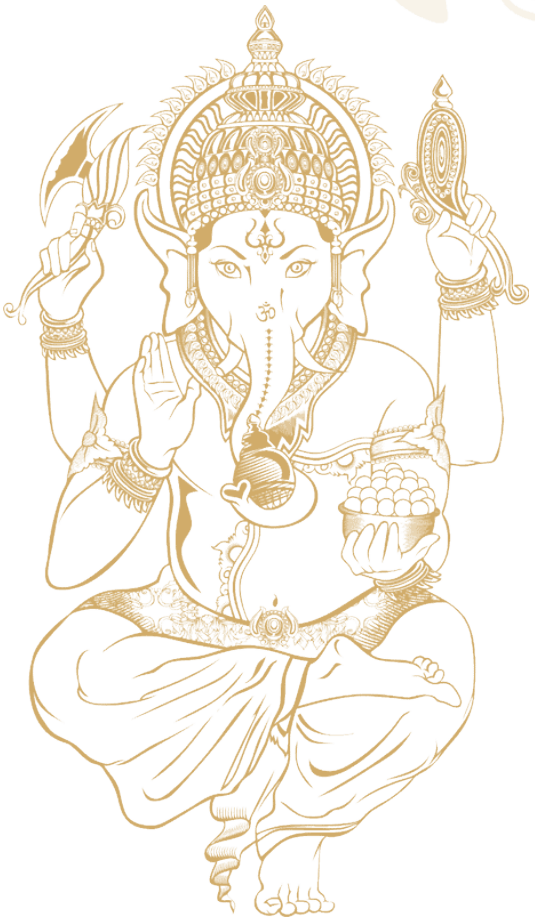

Ms.

Mr.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119745506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/09/1994	जन्म तिथि	28/08/1995
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 04:28:00	जन्म समय	11:28:00 घंटे
घटी 56:31:29	जन्म समय(घटी)	14:07:24 घटी
India	देश	India
Pauri Garhwal	स्थान	Dehradun
30:08:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
78:48:00 पूर्व	रेखांश	78:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:48	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:24	सूर्योदय	05:51:51
18:36:39	सूर्यास्त	18:45:58
23:47:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 7वर्ष 4मा 20दि	26:43:06	कर्क	लग्न	तुला	22:09:42	सूर्य 2वर्ष 0मा 9दि
बुध	15:28:42	सिंह	सूर्य	सिंह	10:40:47	राहु
21/01/2021	27:10:33	मिथु	चंद्र	कन्या	05:29:42	07/09/2014
21/01/2038	16:35:54	मिथु	मंगल	कन्या	29:38:07	06/09/2032
बुध 20/06/2023	02:38:56	कन्या	बुध	कन्या	05:04:19	राहु 20/05/2017
केतु 16/06/2024	16:09:52	तुला	गुरु	वृश्चि	12:42:38	गुरु 13/10/2019
शुक्र 17/04/2027	01:12:12	तुला	शुक्र	सिंह	12:40:02	शनि 19/08/2022
सूर्य 21/02/2028	15:12:16	कुंभ व	शनि व	कुंभ	28:50:40	बुध 08/03/2025
चन्द्र 23/07/2029	23:41:28	तुला व	राहु व	तुला	03:49:55	केतु 26/03/2026
मंगल 20/07/2030	23:41:28	मेष व	केतु व	मेष	03:49:55	शुक्र 26/03/2029
राहु 05/02/2033	28:58:00	धनु व	हर्ष व	मक	03:19:59	सूर्य 18/02/2030
गुरु 14/05/2035	27:02:11	धनु व	नेप व	धनु	29:20:50	चन्द्र 20/08/2031
शनि 21/01/2038	01:41:59	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:07:31	मंगल 06/09/2032

लग्न-चलित

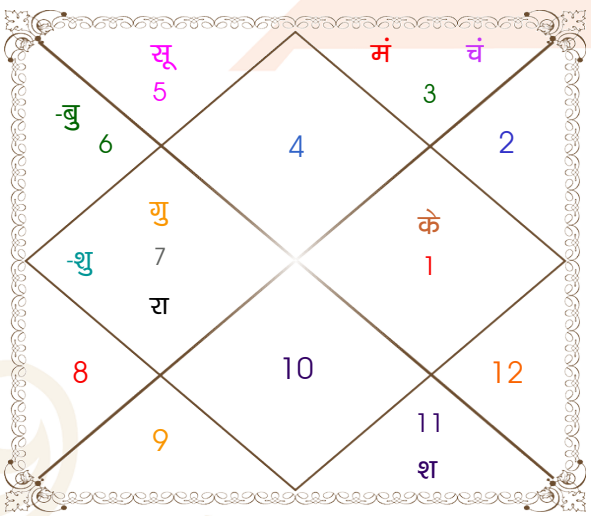

लग्न-चलित

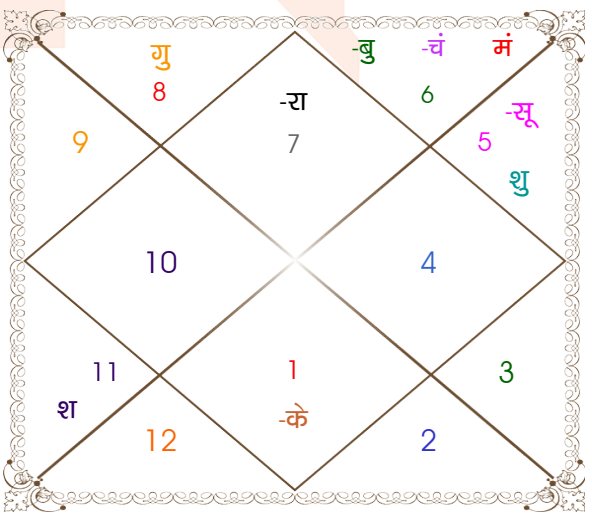

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

Ms. का वर्ग मेष है तथा Mr. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ms. और Mr. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. तथा Mr. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।